Roll No. ..... Total Pages : 3

BAQ/A-20 **308**

SANSKRIT

(Compulsory)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) कालिदास की किन्हीं **चार** रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।

(ख) अज्ञ सुखमाराध्यः सुखतरमा ..... को पूर्ण कीजिए।

(ग) 'मूर्ख की कोई औषधि नहीं है'- स्पष्ट कीजिए।

(घ) गौरसिंह के आयु-रूप आदि के विषय में बताइए।

(ङ) पयः पूरितं ..... वाक्य को पूर्ण कीजिए।

(च) महाभारत के किन्हीं **चार** पर्वों के नाम लिखिए।

(छ) विना के साथ उपयुक्त विभक्ति लगाकर वाक्य बनाइए।

(ज) 'पितुः सह पुत्रः गच्छति' को शुद्ध कीजिए। (8×2=16)

2. (क) किन्हीं **दो** पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i) स्वायत्तमेकान्तगुणं विधात्रा, विनिर्मितं छादनमज्ञतायाः।
विशेषतः सर्वविदांसमाजे विभूषणं मौनमपण्डितानाम्।।

(ii) येषां न विद्या न तपो न दानं,
ज्ञानं न शीलं न गुणो धर्मः।
ते मृत्यर्लोके भुविभारभूताः,
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति।।

(iii) जयन्ति ते सुकृतिनो रससिद्धाः कवीश्वराः।

नास्ति येषां यशः काये जरामरणजं भयम्।। (5×2=10)

(ख) किसी **एक** सूक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i) न हि गणयति क्षुद्रो जन्तुः परिग्रह फल्गुताम्।

(ii) वाराङ्नेव नृपनीतिरनेकरूपा। (6×1=6)

3. किन्हीं दो गद्यांशों का सरलार्थ कीजिए :

(क) (i) अयमेव अहोरात्रं जनयति, अयमेव वत्सरं द्वादशसु भागेषु विमनक्ति, अयमेव कारणं षण्णामृतूनाम्, एष एवाङ्गीकरोति उत्तरं दक्षिणं चायनम्, एनेनैव सम्पादिताः युगभेदाः एनेनैव कृता कल्पभेदाः।

(ii) 'अलं भो अलम्! मयैव पूर्वमवचितानि कुसुमानि, त्वं तु चिरं रात्रावजागरीरिति क्षिप्रं नोत्थापितः, गुरुचरणा अत्र तडागतटे सन्ध्यामुपासते, संस्थापिता मया निखिला सामग्री तेषां समीपे।'

(iii) तदाकर्ण्य दुःखितश्चचकितश्च योगिराडुवाच-'कथमेतत्? ह्य एव पर्वतीयाञ्छकान् विनिर्जित्य महता जयघोषेण स्वराजधानीमायातः श्रीमानादित्यपदलाञ्छनो वीरविक्रमः।'

(5×2=10)

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** पंक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i) विष्णोर्माया भगवती यया सम्मोहितज्जगत्।

(ii) 'नाहं मूर्तिविक्रीणामि, किन्तु भिनद्धि।' (6×1=6)

4. (क) अश्वघोष **अथवा** बाणभट्ट का साहित्यिक विश्लेषण कीजिए। (8×1=8)

(ख) किन्हीं **दो** पर सारगर्भित टिप्पणी लिखिए :

रघुवंशम्, गीतगोविन्दम्, पञ्चतन्त्र, उत्तररामचरितम्। (4×2=8)

5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** के साथ उपयुक्त विभक्ति लगाकर वाक्य बनाइए :

उभयतः, विना, अलम्, स्वस्ति, अन्तरा, निकषा,

क्रुध्यति, हेतु, साधुः, बधिरः, समन्तात्। (6×1=6)

(ख) कर्त्ताकारक, करणकारक और अधिकरण कारक में से किन्हीं **दो** कारकों को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए। (2×2=4)

(ग) किन्हीं **छः** वाक्यों को कारकों के आधार पर शुद्ध कीजिए :

(i) ग्रामस्य परितः वृक्षा सन्ति।

(ii) राकेशस्य सह मुकेशः गच्छति।

(iii) मन्थरा पृष्ठात् कुब्जा आसीत्।

(iv) अश्वेन पुरुषः पतति।

(v) वैभवः सर्वेभ्यः छात्रेभ्य श्रेष्ठः अस्ति।

(vi) हरिः पर्यङ्के अधिशेते।

(vii) विना ज्ञानस्य कुतः सुखम्?

(viii) दुर्जनः सज्जनं द्रुह्यति।

(ix) मां फलानि रोचन्ते। (6×1=6)